विधान सभा सचिवालय
मध्यप्रदेश
समाचार

कामकाजी वर्ग की समस्याओं पर नये सिरे से विचार हो

– श्री ईश्वरदास रोहाणी

भोपाल, दिनांक 22 जनवरी, 2010

विधानसभा अध्यक्ष श्री ईश्वरदास रोहाणी ने कहा है कि वर्तमान समय में कामकाजी वर्ग की परिस्थितियों तथा उनकी समस्याओं पर नये सिरे से विचार करना जरूरी है। वे आज उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान में इतिहास विभाग द्वारा कामकाजी वर्गो के जीवन स्तर पर चिंतन के लिए आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री ईश्वरदास रोहाणी ने बताया कि हमारे देश के इतिहास की महत्वपूर्ण गाथाओं और घटनाओं में कामकाजी वर्गों का योगदान रहा है उन्होंने बताया कि इतिहास केवल कहानियों का दस्तावेज नहीं है बल्कि इससे महत्वपूर्ण मार्गदर्शन के अलावा कमियों को दूर करने में भी मदद मिलती है।

श्री रोहाणी ने इस अवसर पर बताया कि समाज में तेजी से बदलाव आया है आज हम अपने संस्कारों से दूर होते जा रहें हैं. उन्होंने कहा कि इस भौतिकतावादी युग में तात्कालिक लाभ तो हुए हैं लेकिन आत्मिक शांति का अभाव है। श्री रोहाणी ने इसके लिए वर्तमान में टी. व्ही. सीरियलों को भी जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि आज के ज्यादातर सीरियल में अनैतिक आचरणों को बढ़चढ़कर बताया जा रहा है। दुर्भाग्य की बात है कि महिलायें सारे कामकाज छोड़कर इन्हें देखती हैं। उन्होंने कहा कि इसका नई आने वाली पीढ़ी पर गलत प्रभाव पड़ता है।

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि हमारा अतीत उत्कृष्ट संस्कारों से भरा है। श्री रोहाणी ने कामकाजी वर्ग की चर्चा करते हुए बताया कि इसकी दुर्दशा के लिए जनसंख्या वृद्धि भी एक कारण है। बढ़ती जनसंख्या देश के विकास को प्रभावित कर रही है।

श्री रोहाणी ने इस अवसर पर बुद्धिजीवियों से कहा कि वे राजनीति को बुरा मानकर इससे परहेज ना करें उन्होंने कहा कि तटस्थता भी बुराई को बढ़ाने में सहायक होती है जिससे अंतत: समाज का ही नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज राजनैतिक दलों को भी अच्छे बुद्धिजीवियों की आवश्यकता है।

विधान सभा अध्यक्ष ने आशा व्यक्त की कि उत्कृष्ट शिक्षा संस्थान में कामकाजी वर्गो के जीवनस्तर पर चिंतन के लिए आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रख्यात इतिहासकारों द्वारा निर्णायक उपाय सुझाये जायेंगे।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व वाईस चांसलर डॉ.ओमप्रकाश ने कहा कि वर्तमान युग उपभोक्तावाद का युग है वर्तमान में इस युग में गांधीजी की तालीम को याद करना होगा । उन्होंने कहा कि वर्तमान में वर्किंग क्लास के सामने चुनौतियाँ हैं। संस्थान की संचालक डॉ. प्रमिला मैनी ने कहा कि पुश्तैनी व्यवसाय से जुड़े नजरिये ने बहुत परिवर्तन ला दिया है। उन्होंने बताया कि आज काम की कोई कमी नही है कई नई विधायें प्रारंभ हो गई हैं मगर इसके दुष्परिणाम भी हो रहे हैं समाज में अनपेक्षित स्थितियाँ निर्मित हो रही हैं। संगोष्ठी का शुभारंभ दीप जलाकर श्री ईश्वरदास रोहाणी ने किया। इस दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन यूजीसी के सहयोग से किया गया है इसमें देश के अनेक स्थानों से इतिहास विषय के विद्वान भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ. मनीषा शर्मा ने किया.

वि.स./समाचार/ज.स./2010

(दीपक दुबे)
सूचना अधिकारी